

इंटरनेट

मानक

Disclosure to Promote the Right To Information

Whereas the Parliament of India has set out to provide a practical regime of right to information for citizens to secure access to information under the control of public authorities, in order to promote transparency and accountability in the working of every public authority, and whereas the attached publication of the Bureau of Indian Standards is of particular interest to the public, particularly disadvantaged communities and those engaged in the pursuit of education and knowledge, the attached public safety standard is made available to promote the timely dissemination of this information in an accurate manner to the public.

“जानने का अधिकार, जीने का अधिकार”

Mazdoor Kisan Shakti Sangathan

“The Right to Information, The Right to Live”

“पुराने को छोड़ नये के तरफ”

Jawaharlal Nehru

“Step Out From the Old to the New”

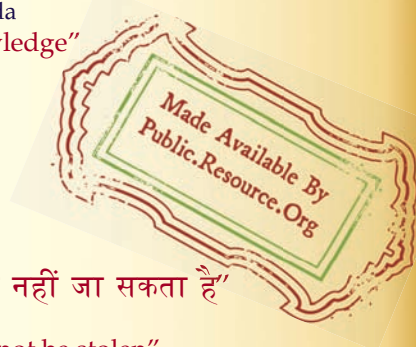
IS 5876 (2008): Shipbuilding - Hopper Scuppers(
BI-LINGUAL) [TED 17: Shipbuilding]



“ज्ञान से एक नये भारत का निर्माण”

Satyanarayan Gangaram Pitroda

“Invent a New India Using Knowledge”



“ज्ञान एक ऐसा खजाना है जो कभी चुराया नहीं जा सकता है”

Bhartrhari—Nitiśatakam

“Knowledge is such a treasure which cannot be stolen”

BLANK PAGE



भारतीय मानक

पोत निर्माण — हापर स्कपर्स

(पहला पुनरीक्षण)

Indian Standard

SHIPBUILDING — HOPPER SCUPPERS

(*First Revision*)

आईसीएस/ICS 47.020.30

© भा मा ब्यूरो 2011

भारतीय मानक ब्यूरो

मानक भवन, 9 बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग
नई दिल्ली 110002

© BIS 2011

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

MANAK BHAVAN, 9 BAHADUR SHAH ZAFAR MARG
NEW DELHI 110002

प्राक्कथन

इस भारतीय मानक (पहला पुनरीक्षण) के मसौदे को पोत निर्माण विषय समिति द्वारा अंतिम रूप देने और परिवहन इंजीनियरी विभाग परिषद् के अनुमोदन के बाद भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा ग्रहण किया गया।

इस मानक को 1970 में पहली बार प्रकाशित किया गया। इस वर्तमान पुनरीक्षण को वर्तमान रीतियों को सम्मिलित करने के लिये प्रारंभ किया गया है। इस पुनरीक्षित मानक में वर्तमान रीतियों से मेल करने के लिये अनेक आयामों को परिवर्तित किया गया है।

पोतों के सभी डेकों पर प्रभावी निकास उपलब्ध करवाने के लिये सकपर्स को पर्याप्त मात्रा और साइजों में उपलब्ध कराया जाता है। हापर सकपर्स मध्यवर्ती डेकों के लिये उपयुक्त हैं, जहाँ उपरोक्त डेकों से निकास पाइप हापर सकपर्स में आते हैं। हापर सकपर्स सांविधिक अपेक्षा और वर्गीकरण सोसाइटी नियमों, यथाप्रयोज्य के अनुरूप हों।

यह मानक सकपर्स भारतीय मानकों की शृंखला में से एक है। शृंखला में अन्य मानक हैं:

आईएस 5875 : 1970 खुले डेक सकपर्स की विशिष्टि

यह निश्चित करने के लिए कि इस मानक में किसी अपेक्षा विशेष का पालन किया गया है या नहीं, तो परीक्षण या विश्लेषण में परिणाम को दर्शाने वाले अवलोकन या गणना द्वारा प्राप्त अंतिम मान को आईएस 2 : 1960 'संख्यात्मक मानों के पूर्णांकन संबंधी नियम (पुनरीक्षित)', के अनुसार पूर्णांकित कर दिया जाए। पूर्णांकित मान में रखे गये सार्थक स्थानों की संख्या उतनी ही हो, जितनी इस मानक में निर्दिष्ट मान की है।

Shipbuilding Sectional Committee, TED 17

FOREWORD

This Indian Standard (First Revision) was adopted by the Bureau of Indian Standards, after the draft finalized by the Shipbuilding Sectional Committee had been approved by the Transport Engineering Division Council.

This standard was first published in 1970. The present revision has been undertaken to align with present practices. In this revised standard, number of dimensions have been changed to suit the present practices.

Scuppers sufficient in number and size are provided on all decks of ships to provide effective drainage. Hopper scuppers are suitable for intermediate decks where drainage pipes from the decks above lead into hopper scuppers. Hopper scuppers shall comply with statutory requirement and classification society rules as applicable.

This standard is one of a series of Indian Standards on scuppers. Other standard in the series is:

IS 5875 : 1970 Specification for open-deck scuppers.

For the purpose of deciding whether a particular requirement of this standard is complied with, the final value, observed or calculated, expressing the result of a test or analysis, shall be rounded off in accordance with IS 2 : 1960 'Rules for rounding off numerical values (revised)'. The number of significant places retained in the rounded off value should be the same as that of the specified value in this standard.

भारतीय मानक

पोत निर्माण — हापर स्कपर्स

(पहला पुनरीक्षण)

Indian Standard

SHIPBUILDING — HOPPER SCUPPERS

(First Revision)

1 SCOPE

This standard specifies the material and dimensions for hopper scuppers used for drainage on board ships.

2 REFERENCES

The following standards contain provisions which through reference in this text, constitute provisions of this standard. At the time of publication, the editions indicated were valid. All standards are subject to revision and parties to agreement based on this standard are encouraged to investigate the possibility of applying the most recent editions of the standards indicated below:

IS No.	Title
2073 : 1970	Carbon steel black bars for production of machined parts for general engineering purposes (<i>first revision</i>)
2102 (Part 1) : 1993	General tolerances : Part 1 Tolerances for linear and angular dimensions without individual tolerance indications (<i>third revision</i>)
3039 : 1988	Structural steel for construction of hulls of ships (<i>second revision</i>)
3525 : 1998	Metal arc welding for hull constructions of merchant ships in carbon and carbon manganese steels (<i>second revision</i>)
7283 : 1992	Hot rolled bars for production of bright bars and machined parts for engineering applications (<i>first revision</i>)

3 REQUIREMENTS

3.1 The hopper scuppers shall be constructed as shown in Fig. 1.

1 विषय क्षेत्र

यह मानक पोतों पर निकासी के लिये प्रयुक्त हापर स्कपर्स की सामग्री और आयामों को निर्दिष्ट करता है।

2 संदर्भ

निम्नलिखित भारतीय मानकों में ऐसे प्रावधान हैं, जिनका इस मानक की पाठ सामग्री में संदर्भ है। अतः ये प्रावधान इस मानक के भी प्रावधान हैं। इस मानक के प्रकाशन के समय नीचे दिए गए संस्करण वैध थे। सभी मानकों का पुनरीक्षण किया जा सकता है इसलिए इस मानक के आधार पर समझौता करने वाले सभी पक्षों को परामर्श दिया जाता है कि वे नीचे दर्शाए गए मानकों के नवीनमत संस्करणों को लागू करने की संभावना के बारे में पता लगाएँ:

आईएस संख्या	शीर्षक
2073 : 1970	सामान्य इंजीनियरी प्रयोजनों के लिये मशीन किये गये भागों के उत्पादन के लिये कार्बन इस्पात के काले सरिये (पहला पुनरीक्षण)
2102 (भाग 1) : 1993	सामान्य छूटें : भाग 1 पृथक-पृथक छूट अंकों के बिना रैखिक और कोणिय आयाम (तीसरा पुनरीक्षण)
3039 : 1988	पोतों के हलों के निर्माण के लिये संरचनात्मक इस्पात (दूसरा पुनरीक्षण)
3525 : 1998	कार्बन और कार्बन मैंगनीज इस्पातों में मर्चेट पोतों के हल संरचनाओं के लिए धातु आर्क बेल्टिंग (दूसरा पुनरीक्षण)
7283 : 1992	इंजीनियरी अनुप्रयोगों के लिए चमकीले सरिये और मशीन किये पुर्जों के उत्पादन के लिये तप्त बेल्लित सरिये (पहला पुनरीक्षण)

3 अपेक्षाएँ

3.1 हापर स्कपर्स का निर्माण आकृति 1 में दिखाये गये के अनुसार हो।

3.2 Hopper scuppers may also be provided with portable grating, if required by the purchaser.

4 MATERIAL

4.1 The material used in the construction of hopper scuppers shall be as given below:

Name of Part	Material	Relevant Indian Standard
Hopper	Shipbuilding quality steel	IS 3039
Grating bars	Steel	IS 2073

5 DIMENSIONS

The dimensions of hopper scuppers shall be as shown in Fig. 1.

6 TOLERANCES

6.1 The tolerances on the machine parts shall be of the coarse series according to IS 2102 (Part 1).

7 DESIGNATION

The hopper scuppers shall be designated by the title and the number of this standard.

Example:

Hopper Scupper IS 5876

8 WELDING

Welding, in general, shall be according to the relevant Indian Standards, and in particular, conform to IS 3525.

9 MARKING

The product may also be marked with the Standard Mark.

9.1 The use of the Standard Mark is governed by the provisions of the *Bureau of Indian Standards Act, 1986* and the Rules and Regulations made thereunder. The details of conditions under which the licence for the use of the Standard Mark may be granted to manufacturers or producers may be obtained from the Bureau of Indian Standards.

3.2 हापर सकपर्स के साथ, अगर क्रेता द्वारा अपेक्षित है तो सुवाह्य ग्रेटिंग उपलब्ध कराई जाये।

4 सामग्री

4.1 हापर सकपर्स की संरचना में प्रयुक्त सामग्री निम्नलिखित में दी गई के अनुसार हो:

भाग का नाम	सामग्री	तत्संबंधी भारतीय मानक
हापर	पोत निर्माण गुणता इस्पात	आईएस 3039
ग्रेटिंग सरिए	इस्पात	आईएस 2073

5 आयाम

हापर सकपर्स के आयाम आकृति 1 में दिये गये के अनुसार हों।

6 छूटें

6.1 मशीन पुर्जों पर छूटें आईएस 2102 (भाग 1) मोटी (कोर्स) श्रृंखला के अनुसार हों।

7 पदनाम

ये हापर सकपर्स इस मानक के शीर्षक और संख्या द्वारा पदनामित हों।

उदाहरण:

हापर सकपर्स आईएस 5876

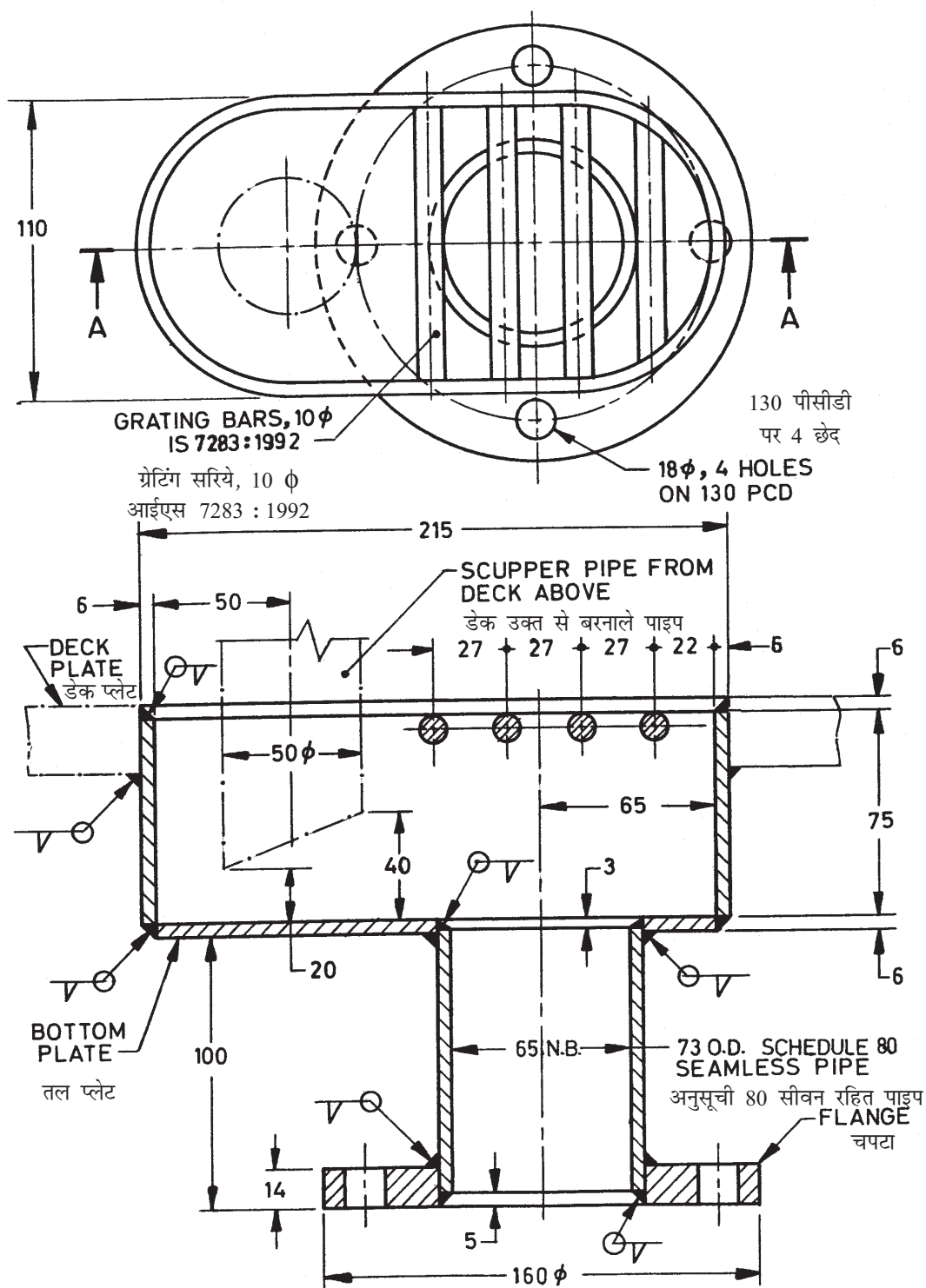
8 वेल्डिंग

सामान्य रूप से वेल्डिंग तत्संबंधी भारतीय मानकों के अनुसार और विशेष रूप से आईएस 3525 के अनुरूप हो।

9 मुहरांकन

इस उत्पाद पर मानक मुहर भी लगाई जा सकती है।

9.1 मानक मुहर का उपयोग भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 और इसके अधीन बनाये गये नियमों और विनियमों के प्रावधानों अनुसार हो। निर्माताओं और संस्कर्ताओं को जिन शर्तों के अधीन मानक मुहर लगाने के लिए लाइसेंस दिया जाता है उसका विवरण भारतीय मानक ब्यूरो से प्राप्त किया जा सकता है।



सभी आयाम मिलीमीटरों में।

All dimensions in millimetres.

आकृति 1 हापर सकपर्स के आयाम

FIG. 1 DIMENSIONS FOR HOPPER SCUPPERS

विवाद की स्थिति में इस मानक का अंग्रेजी पाठ ही मान्य होगा।

In case of dispute English version of this standard shall be authentic.

Bureau of Indian Standards

BIS is a statutory institution established under the *Bureau of Indian Standards Act*, 1986 to promote harmonious development of the activities of standardization, marking and quality certification of goods and attending to connected matters in the country.

Copyright

BIS has the copyright of all its publications. No part of these publications may be reproduced in any form without the prior permission in writing of BIS. This does not preclude the free use, in the course of implementing the standard, of necessary details, such as symbols and sizes, type or grade designations. Enquiries relating to copyright be addressed to the Director (Publications), BIS.

Review of Indian Standards

Amendments are issued to standards as the need arises on the basis of comments. Standards are also reviewed periodically; a standard along with amendments is reaffirmed when such review indicates that no changes are needed; if the review indicates that changes are needed, it is taken up for revision. Users of Indian Standards should ascertain that they are in possession of the latest amendments or edition by referring to the latest issue of 'BIS Catalogue' and 'Standards : Monthly Additions'.

This Indian Standard has been developed from Doc No.: TED 17 (437).

Amendments Issued Since Publication

Amend No.	Date of Issue	Text Affected

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

Headquarters:

Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi 110002

Telephones : 2323 0131, 2323 3375, 2323 9402

Website: www.bis.org.in

Regional Offices:

Telephones

Central	: Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg NEW DELHI 110002	{ 2323 7617 2323 3841
Eastern	: 1/14 C.I.T. Scheme VII M, V. I. P. Road, Kankurgachi KOLKATA 700054	{ 2337 8499, 2337 8561 2337 8626, 2337 9120
Northern	: SCO 335-336, Sector 34-A, CHANDIGARH 160022	{ 60 3843 60 9285
Southern	: C.I.T. Campus, IV Cross Road, CHENNAI 600113	{ 2254 1216, 2254 1442 2254 2519, 2254 2315
Western	: Manakalaya, E9 MIDC, Marol, Andheri (East) MUMBAI 400093	{ 2832 9295, 2832 7858 2832 7891, 2832 7892

Branches: AHMEDABAD. BANGALORE. BHOPAL. BHUBANESHWAR. COIMBATORE. DEHRADUN. FARIDABAD. GHAZIABAD. GUWAHATI. HYDERABAD. JAIPUR. KANPUR. LUCKNOW. NAGPUR. PARWANOO. PATNA. PUNE. RAJKOT. THIRUVANANTHAPURAM. VISAKHAPATNAM.